Vol 3 Issue 5 Nov 2013

Impact Factor : 1.9508 (UIF)

ISSN No :2231-5063

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

IMPACT FACTOR : 1.9508 (UIF)

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya [Malaysia]

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus Pop

Mohammad Hailat
Dept. of Mathmatical Sciences, University of South Carolina Aiken, Aiken SC 29801

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Department of Chemistry, Lahore University of Management Sciences [PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

Nawab Ali Khan
College of Business Administration

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University, Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU, Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Golden Research Thoughts
Volume-3, Issue-5, Nov-2013
ISSN 2231-5063
Available online at www.aygrt.isrj.net

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन

हरजिन्दरपाल सिंह सलूजा , रविश कुमार सोनी , योगेन्द्र सिंह
सहा. प्राध्यापक (वाणिज्य) शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग)
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई नगर (छ.ग.)
शोधार्थी, दुर्गा महाविद्यालय रायपुर (छ ग.)

सारांश: ग्रामीण विकास में सड़कों की अहम भूमिका होती है सड़कों का निर्माण ही विकास की प्रथम सीढ़ी है ग्रामीण विकास से हमारा अभिप्राय ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास से होता है भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विभिन्न प्रकार की योजना चलाई जाती है जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास हो व ग्रामीणों के जीवन स्तर मे सुधार हो सके और ग्रामीणों को शहरों की भाँति सुविधा प्रदान की जा सके विभिन्न योजनाओं में समन्वय लाने हेतु भारत सरकार द्वारा सड़क संपर्क विहिन बसावटों को ग्रामीण सड़को से जोडने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का आरम्भ किया गया है।

प्रस्तावनाः

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना केन्द्र सरकार के द्वारा प्रारम्भ की गई योजना है इस योजना को ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के लिए यह योजना प्रायोजित की गई जो छोटे–छोटे गाँवो को शहर से जोडती है ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए भारत सरकार ने 15 अगस्त 2000 को प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की घोषणा की तथा 25 दिसंम्बर 2000 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा योजना का शुभांरम्भ किया गया ।

प्रारम्भिक तौर पर इस कार्यक्रम के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्रों में 500 व इससे अधिक की जनसंख्या वाले तथा पहाडी जनजातीय एंव मरूस्थल क्षेत्रों में 250 व इससे अधिक की जनसंख्या वाले सभी बसावटो पर संपर्क प्रदान कराने पर विचार किया गया है ।

शोध का क्षेत्र :–

शोध अध्ययन का क्षेत्र बस्तर संभाग से जिला बस्तर का चयन किया गया है बस्तर संभाग छत्तीसगढ़ राज्य के दक्षिण में स्थित है इसकी स्थिति 20. 6–20.24 देशांतर तथा 80.48–81.48 अक्षांश तक है बस्तर संभाग का भौगोलिक क्षेत्रफल 43,169 वर्ग किलोमीटर है जो कि केरल राज्य से बडी है जनगणना 2011 के अनुसार बस्तर संभाग की कुल जनसंख्या 42,28,816 है । बस्तर जिले में कुल एक जिला पंचायत एवं उन जिला पंचायतो के अतंर्गत 12 तहसील है जो कि निम्न है :–

1. तोकापाल 2. बासतानार 3. बकावण्ड 4. दरभा 5. केशकाल 6. कोंडागॉव 7. बड़ेराजपुर 8. बस्तर 9. लोहन्डीगुड़ा 10. फरसगॉव 11. जगदलपुर एवं 12. माकड़ी इस शोध कार्य में इन क्षेत्रों के अतंर्गत हुए विकास कार्य की समिक्षा की गई है ।

शोध कार्य का उददेश्य :–

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लाभान्वित क्षेत्रों का अध्ययन ।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से रोजगार के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष साधनो का अध्ययन।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा ग्रामीणों के सामाजिक आर्थिक विकास में योगदान ।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से हुए परिवहन सुविधा का अध्ययन।

अध्ययन की पद्वति :–

शोध अध्ययन सर्वेक्षण पद्वति पर आधारित है सर्वेक्षण का क्षेत्र बस्तर संभाग के बस्तर जिला व इसके अतंर्गत आने वाले सभी तहसीलों को लिया गया है ग्रामों में निवासरत ग्रामवासियों से प्रश्नावली तैयार कर साक्षात्कार–अनुसूची तथा अवलोकन तकनीक के द्वारा प्रथमिक समंको का संग्रहण किया गया है एवं द्वितीयक समंको के अंतर्गत जिला सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की वेब साइट (www.pmgsy.nic.in www.cgrrda.gov.in) से प्राप्त जानकारी को संकलित किया गया है ।

शोध परिकल्पना :–

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के मजदुरो को रोजगार के अवसर में वृद्विहो रही है ।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन की सुविधा में वृद्वि हुई है ।
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के द्वारा कृषि उत्पाद के परिवहन मे सुविधा ।

सारणी क्र. 1
योजनान्तगर्तनिर्माणधीन सड़को का विवरण

वर्ष	निर्माण कि गई सड़के कि.मी. में	प्रतिशत
2000 . 2001	75.98कि.मी.	4.25
2001 . 2002	57.45कि.मी.	3.20
2003 . 2004	148.74कि.मी.	8.31
2004 . 2005	168.57कि.मी.	9.42
2005 . 2006	105.55कि.मी.	5.90
2006 . 2007	104.22कि.मी.	5.82
2007 . 2008	576.79कि.मी.	32.23
2008 . 2009	552.46कि.मी.	30.87
कुल	1789.76 कि.मी.	100

स्त्रोत www.pmgsy.nic.in & www.cgrrda.gov.in

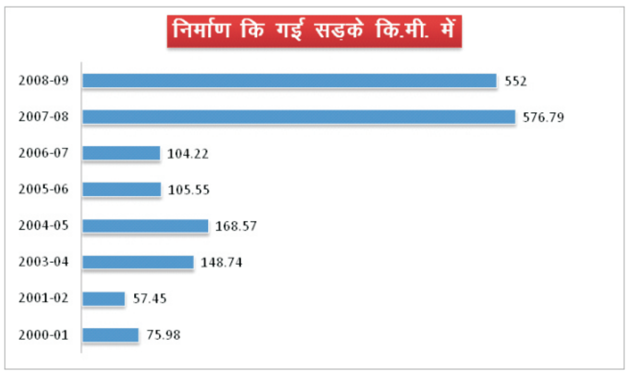

उपरोक्त सारणी क्र. 1 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि योजना के प्रारंभ वर्ष में 75.98 कि.मी. (4.25%) का सड़क निर्माण हुआ है वही वर्ष 2007–2008 में सर्वाधिक 576.79 कि.मी.(32.23%) का सड़क निर्माण हुआ जिसके फलस्वरूप जिले के ग्रामवासियों की पहुंच शहरों व अन्य गॉवों तक हो पायी है किन्तु वर्ष 2008–2009 में सड़क निर्माण कार्य में गति धीमी हुई है जिससे ग्रामीण रोजगार में कमी को दर्शाता है।

सारणी क्र. 2
योजनान्तर्गत तहसीलों में निर्माणधीन सड़के

तहसील	निर्माण की गई सड़के कि.मी. में	प्रतिशत
तोकापाल	113.45	6.33
बासतानार	83.78	4.68
बकावण्ड	252.55	14.11
दरभा	134.11	7.50
केशकाल	99.02	5.53
कोंडागॉव	125.18	7.00
बड़ेराजपुर	158.05	8.83
बस्तर	316.64	17.70
लोहन्डीगुड़ा	83.76	4.68
फरसगॉव	101.05	5.64
जगदलपुर	161.19	9.01
माकड़ी	160.98	8.99
कुल	1789.76	100

स्त्रोत www.pmgsy.nic.in & www.cgrrda.gov.in

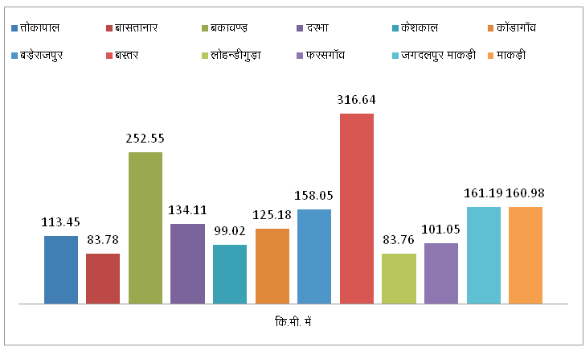

उपरोक्तसारणी क्र. 2 से यह स्पष्ट है कि बस्तर जिले के बस्तर तहसील में सर्वाधिक 316.64 कि.मी. व बकावण्ड में 240.27 कि.मी. सड़क निर्माण किया गया है जबकि बस्तर जिले के ही बास्तानार तहसील में सबसे कम 70.06 कि.मी. सड़क निर्माण का कार्य पूरा हो पाया है यह क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र होने तथा पिछड़े होने के कारण अन्य तहसील की अपेक्षा धीमी गति के सड़क निर्माण के कार्य को दर्शाता है

सारणी क्र. 3
योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाएँ

सुविधाओं के प्रकार	प्रतिशत
शहरो से संपर्क	70
स्वास्थ्य/शिक्षा संबंधी सुविधा	20
अन्य ग्रामों से संपर्क	10
कुल	100

स्त्रोत www.pmgsy.nic.in&www.cgrrda.gov.in

सारणी

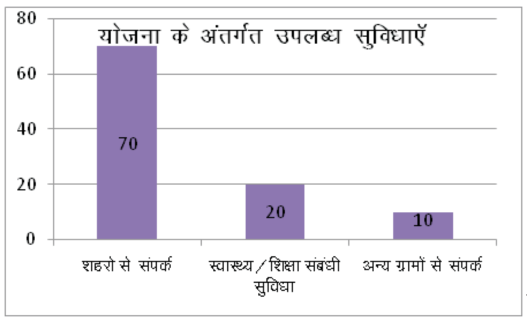

निर्मित

सड़को से ग्रामीण क्षेत्रों में जिस प्रकार की सुविधाऍं प्राप्त हुई है उनमें ग्रामों का शहरो से संपर्क अधिक वृद्धि हुई है जिनका प्रतिशत 70: है और शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाऍं सामान्य रूप से पाया गया वही ग्रामों से ग्रामों के संपर्क में अभी भी सुधार नही आया है आज भी व्यक्तियों को एक गॉव से दूसरे गॉव में सड़क संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

सारणी क्र. 4
योजना से ग्रामों के आर्थिक विकास का मूल्यांकन

विवरण	प्रतिशत
भूमि के मूल्यो मे वृद्धि	67
किराना दूकानो की संख्या मे वृद्धि	51
छोटे होटलो की संख्या मे वृद्धि	48
श्रम व रोजगार की प्रप्ति	55
बैंको की संख्या मे वृद्धि	20

स्त्रोत :– प्रश्नावली / अनुसूची

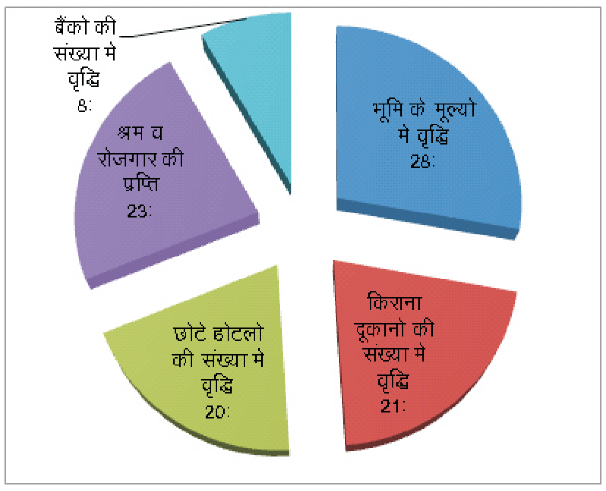

उपरोक्त सारणी क्र. 4 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्रामों के आर्थिक विकास में वृद्धि हुई है आर्थिक दृष्टि से सबसे अधिक ग्रामों के भूमि के मूल्यो मे वृद्धि हुई है तथा बैंक संबंधी विकास सबसे कम हुआ है अर्थात योजना से ग्रामों के आर्थिक विकास के अध्ययन से स्पष्ट है कि ग्रामों के आर्थिक विकास की स्थिति में सुधार आया है।

सारणी क्र. 5
योजना से ग्रामों के सामाजिक विकास का अध्ययनएवं मूल्यांकन

विवरण	प्रतिशत
सरकारी अधिकारियों में दौरों में वृद्धि	63
डाक व तार सेवाओं में सुधार	48
गांवो के आस–पास पुलिस गश्तो मे सुधार	61
दूर–दराज की बसावटों के साथ विवाह संबंध	82
शिक्षा की सुविधा	87

स्त्रोत :– प्रश्नावली / साक्षात्कार

सारणी क्र. 5 में ग्रामों के सामाजिक विकास की स्थिति का अध्ययन से ज्ञात होता है कि बस्तर संभाग नक्सल प्रभावित होने के बादभी ग्रामीण सड़क योजना के फलस्वरूप वैवाहिक संबंध व शिक्षा स्तर में बहुत अधिक विकास हुआ है और साथ ही अधिकारियों के दौरे , पुलिस गश्त व शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण विकास हुए है।

सारणी क्र. 6
ग्रामीण क्षेत्रों में प्रश्नावली द्वारा लिए साक्षात्कार से प्राप्त जानकारी का विवरण

प्रश्नावली द्वारा साक्षात्कार	उत्तरदाता		
	हॉ	नही	जवाब नही दिया
योजना के अंतर्गत ग्रामवासियों को रोजगार प्राप्त हुआ	69	22	9
योजना से ग्रामीण मजदुरो को रोजगार के अवसर में वृद्धि हुई	73	19	8
योजना द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन की सुविधा में वृद्धि हुई	86	12	2

स्त्रोत :– प्रश्नावली द्वारा साक्षात्कार

उपरोक्त सारणी क्र. 6 से यह स्पष्ट होता है प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से ग्रामवासियों को रोजगार के अवसर में 73% की वृद्धि हुई है साथ ही ग्रामीण मजदुरों को योजना के अंतर्गत 69% रोजगार प्राप्त हुए है जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों के परिवहन की सुविधा में 86% की वृद्धि हुई है अर्थात प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास में बहुत महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है

सुझाव एवं निष्कर्ष :–

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण क्षेत्रों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है । यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों के विकास व ग्रामीण क्षेत्रो को शहरी क्षेत्रो से जोड़ने के कार्ये में सहायक सिद्ध हुई है जिससे कि शहरों में आना–जाना निरंतर बना रहता है व ग्रामवासियों को भी सरकार के द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजना का लाभ मिल रहा है । सरकार के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सफलता दिलाने में यह योजना सहायता प्रदान करती है।

बस्तर के विकास में एक प्रमुख समस्या नक्सली समस्या है नक्सली समस्या होने के कारण सड़को के निर्माण कार्यो में बाधा उत्पन्न होती है । सड़को का निर्माण निर्धारित किये गए समय में पुर्ण नही हो पाता है यह योजना निरंतर विकास कार्यो में दौड़ते रहेगी तो वो दिन दूर नही जब पूरे भारत में ग्रामीण क्षेत्रों को छोटे–छोटे शहरो के नाम से जाना जाएगा ।

हमें यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि
''सड़क विकास की राह निर्माण करता है''

संदर्भ ग्रंथा सूची, पत्रिका एवं समाचार पत्रः–

1. भारत की आर्थिक समीक्षा साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
2. प्रियर्सन सामान्य अध्ययन
3. योजना सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली छत्तीसगढ़ के संदर्भ में
4. www.pmgsy.nic.in
5. www.cgrrda.gov.in

रविश कुमार सोनी
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य) कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
भिलाई नगर (छ.ग.)

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished research paper.Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review of publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net